राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2022 के समापन समारोह में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

माननीय युवा कार्य और खेल मंत्री, श्री अनुराग सिंह ठाकुर जी ;

लोक सभा और राज्य सभा के महासचिव ;

शिष्टमंडल के प्रतिष्ठित सदस्यगण ; देवियो और सज्जनो

---

1. संसद भवन के ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 2022 के समापन समारोह में मैं आप सभी प्रतिभागियों का स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं।

2. आप सबने विभिन्न चरणों में सम्पन्न हुए युवा संसद के आयोजनों में सफलतापूर्वक हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर आप फाइनल में आए और पुरस्कार अर्जित किया। मैं सभी पुरस्कार विजेताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

3. आप सब संसद भवन के उस ऐतिहासिक केन्द्रीय कक्ष में विराजमान हैं, जो भारत के आजादी की लड़ाई एवं उसके बाद की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी रहा है।

4. यही वह स्थान है जहां आज से 75 साल पहले 14-15 अगस्त की मध्य रात्रि को भारत ने ब्रिटेन से सत्ता प्राप्त की थी।

5. इसी केन्द्रीय कक्ष में हमारे मनीषियों ने भारत के संविधान की रचना की, जो हमारे राष्ट्र का दर्शन ग्रंथ है और आज भी हमारा मार्गदर्शन कर रहा है।

6. हमारे संविधान निर्माताओं ने जनता को केंद्र में रखकर संविधान का निर्माण किया था और एक लोकतांत्रिक गणराज्य की नींव रखी थी।

7. उनकी भावना थी कि जनता से चुनी हुई सरकारें देश की प्रगति के लिए और देश की आम जनता के कल्याण के लिए काम करें।

8. आज उसी केन्द्रीय कक्ष में युवा संसद के प्रतिभागी के रूप में लोकतंत्र को सशक्त और मजबूत बनाने के लिए, उसमें अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए, यहां युवा संसद महोत्सव के प्रतिभागी के रूप में आपने हिस्सा लिया।

9. लोकतंत्र के इस मंदिर में आयोजित इस युवा महोत्सव में सम्मिलित होना आपके लिए एक यादगार क्षण है। यह आपके लिए गौरव का विषय है।

10. मेरे विचार से राष्ट्रीय युवा महोत्सव एक प्रयास है, जो यह सुनिश्चित करता है कि युवाओं को देश की लोकतान्त्रिक और संसदीय प्रक्रियाओं के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त हो।

11. मैं केंद्रीय सूचना और प्रसारण तथा युवा कार्य और खेल मंत्री, श्री अनुराग सिंह ठाकुर जी को राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव आयोजित करने के लिए बधाई देता हूँ।

12. मैं अपने युवा मित्रों और प्रतिभागियों की भी सराहना करता हूं, जिन्होंने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया और न्यू इंडिया के दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया। साथियो, आज भारत विश्व का सबसे युवा देश है। हमारी पूरी आबादी का 65 प्रतिशत से अधिक हिस्सा 35 वर्ष से कम आयु के युवाओं का है। यह डेमोग्राफिक डिविडेंड हमारे देश को विकास के लिए एक असाधारण अवसर प्रदान करता है।

13. आज विश्व बहुत तेजी से बदल रहा है। ये परिवर्तन हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों में हो रहा है, चाहे वह अर्थव्यवस्था में हो, टेक्नोलॉजी में हो, व्यापार में हो या अन्य किसी क्षेत्र में हो।

14. युवा शक्ति के रूप में आप इन परिवर्तनों को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और राष्ट्र को इनके लिए तैयार भी कर सकते हैं।

15. यह भारत के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण समय है, क्योंकि हमारा देश परिवर्तन के दौर से गुज़र रहा है।

16. आज का दौर इस देश के नवनिर्माण का है, देश को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का है। नए भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का है। पिछले सात दशकों में हमारे देश में बहुत परिवर्तन हुए हैं। अब नई तकनीक, नए इनोवेशन, नई सोच, नए विचार एवं नवाचारों के साथ हम सबको देश को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाना है।

17. अपनी बौद्धिक क्षमता और अपार ऊर्जा के बल पर आज भारत का नौजवान पूरे विश्व में अलग-अलग क्षेत्रों में नेतृत्व की भूमिका में है। इसी ऊर्जा और इसी क्षमता के साथ हमें नए भारत और "आत्मनिर्भर भारत" के निर्माण के लिए संकल्पित होना है।

18. हम जिस भी क्षेत्र में रहें, जो भी दायित्व निभाएं, उसके मूल में देश की उन्नति व देशवासियों का कल्याण होना चाहिए। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हमारा प्रत्येक निर्णय आखिरी पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति के कल्याण की ओर लक्षित हो।

19. हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का यही मूल मंत्र था और हमें अपने कार्यों में इसी मंत्र से प्रेरणा ग्रहण करनी चाहिए।

20. साथियों, आपके हर प्रयास में, हर कार्य के केंद्र में नेशन फर्स्ट की भावना होनी चाहिए। जब हम इस भावना के साथ देश के नवनिर्माण का कार्य करेंगे, तब ही यह देश विश्व में सफलता के नए शिखर छुएगा। यह समर्पण एवं निष्ठा का भाव हमारे व्यक्तित्व का अंग बन जाना चाहिए।

21. मुझे पूरा विश्वास है कि देश की यह विशाल युवा शक्ति, नए भारत का निर्माण करेगी। आने वाले समय में हमारे नौजवानों की बौद्धिक क्षमता, तकनीकी ज्ञान और स्किल्ड मानव संसाधन के बल पर भारत, विश्व गुरू के रूप में दुनिया का नेतृत्व करेगा। आप सभी युवाओं के इस प्रयास को हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ही ऊर्जा देगी।

22. प्यारे दोस्तों, लोकतंत्र में हम अपने विचारों और अनुभवों को साझा करते हैं। विभिन्न मुद्दों पर पर वाद-विवाद और विचार विमर्श करते हैं तथा व्यापक चर्चा के बाद किसी निष्कर्ष पर पहुंचते हैं। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था की ताकत है जो सबको अपने मत को प्रकट करने का अधिकार देती है।

23. हमारे लोकतंत्र की विशेषता है कि यहां जनप्रतिनिधि अलग-अलग क्षेत्रों से चुनकर आते हैं। उनकी बोली, भाषा, खान-पान तथा राजनीतिक प्रतिबद्धताएं भी अलग होती है। लेकिन इन सभी विविधताओं के बाद भी राष्ट्रीय एकता और देश हित के विषय पर हम सब एक हैं। हमारा प्रत्येक निर्णय देशहित में होता है।

24. आज इस मंच पर आप देश के अलग-अलग गांवों से, अलग-अलग स्थानों से आए हैं। आप युवा सांसद के रूप में देश के अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यहां आपने सांसदों की ही भांति अपने विचारों, अनुभवों और नवाचारों को साझा किया है। मैं आप लोगों में संसद का ही लघु रूप देख रहा हूँ।

25. आप लोगों का दृष्टिकोण नया है, और आप देश तथा समाज के सामने आने वाले व्यापक और महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति उदारतापूर्वक सोच सकते हैं।

26. हमारे वरिष्ठ नेताओं के व्यापक अनुभवों के साथ मिलकर आपका उत्साह और आपकी महत्वाकांक्षाएं विकास के हर क्षेत्र में भारत के लिए नए आयाम खोलेंगी।

27. मैं आश्वस्त हूँ कि आप युवाओं ने इस युवा संसद में अपने अपने चर्चा संवाद से सार्थक और नवोन्मेषी समाधान प्रस्तुत किए हैं।

28. मेरे लिए आप सभी विजेता है। मेरी कामना हैं कि आप एक बेहतर नागरिक बनें और एक विकसित और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए कार्य करें। आपको मेरी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपका भावी जीवन सफल हो और आपका भविष्य उज्ज्वल हो। धन्यवाद।